किया जिसकी वजह से किसानों ने कपास की पैदावार कम की और उसके कारण पूरी नेशनल फिगर कम आयी?

श्री राजनाथ सिंह : सभापति महोदय, सारे देश में जितने क्षेत्रफल में, जितने एरिया में कपास का उत्पादन होता है, उसका एक-तिहाई एरिया केवल महाराष्ट्र का है। लेकिन महाराष्ट्र के साथ दुर्भाग्य यह है कि जो कॉटन एरिया है, उस कॉटन एरिया का केवल 4परसेंट इरीग्रेटिड है, केवल चार परसेंट में ही वहां पर सिंचाई हो पाती है।अब सरकार ने वहां पर खरीद की है या नहीं की है, जानकारी करके मैं यदि आपकी अनुमति हो तो माननीय सदस्य को अवगत करा दूंगा।

Digital weather broadcast

*83. SHRI K. RAMA MOHANA RAO: Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian Meteorological Department has started satellite based digital weather broadcast services to help the fishermen and seafarers;

(b) if so, the details of the digital technology that is being used to help the fishermen;

(c) whether this service can be used by other agencies; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (SHRI BACHI SINGH RAWAT): (a) and (b) Yes, Sir. Digital Data Broadcast has been started by the Indian Meteorological Department for seafarers. For fishermen, audio broadcast is needed, for which cheap and affordable receivers are being developed. The "Asia Sat" Satellite of M/s World Space Corporation having large coverage over Indian Ocean, Arabian Sea and Bay of Bengal is being used for the broadcast. These services of audio and multimedia products are provided using digital compression technology through-L Band Transponder.

(c) and (d) This service can be used by several agencies like the

Defence Services, Meteorological Services, Agricultural Universities and other authorized Institutions and users including farmers within the area covered by the 'Asia Sat' Satellite.

SHRI K. RAMA MOHANA RAO: Sir, unlike high-frequency terrestrial radio communication system, the satellite-based digital broadcast service is very efficient, accurate and cost-effective. In the light of this, I would like to know from the hon. Minister whether any time-frame has been fixed for procure more audio receiving equipment to small fishing boats and seafarers and whether the Ministry can think of supplying them free of cost.

The Hon. Minister has said in his reply that farmers can also use these services. I would like to know how exactly this is useful to the farmer of our country.

श्री बची सिंह रावत :सभापति महोदय, अभी 1 जुलाई 2003से डिजिटल डाटा की सेवा प्रारम्भ की गयी है और जो बड़ी समुद्री सेवाएं है, बड़े समुद्री जहाज है, उनके द्वारा डिजिटल डाटा की इनफॉर्मेशन प्राप्त की जा रही है। माननीय सदस्य ने जानना चाहा है कि छोटे किसान,छोटे मछुआरों के लिए कब तक समय सीमा निर्धारित कर सकते है। यह कहा जा सकता है कि लगभग एक से डेंढ वर्ष का समय यानी 2004 तक इस दिशा में कार्य पूर्ण हो सकेगा। और सेमी कंडक्टर्स कम्प्लैक्स लिमिटेड, चंडीगढ़ के द्वारा एक क्म्प्यूटर चिप विकसित करने के बाद इसका प्रसारण सीधा सीधा हो सकेगा और उसकी लागत जो आठ हजार है, वह लगभग 1000 या 1,500 में उपलब्ध हो सकेगा और जो ब्रॉडकॉस्ट होगा, वह सेवा निशुल्क प्रदान की जाएगी?

SHRI K. RAMA MOHANA RAO: Sir, most of the countries in the world have switched over to the satellite-based communication system, since it is more accurate and totally unaffected by terrestrial disturbances. But, we are still depending on terrestrial communication system for meteorological information. So, I would like to know from the hon. Minister when are we going to totally switch over to the digital-based weather communication system? Then, part 'b' of my question is:

Whether the Ministry of Science & Technology, in coordination with the Department of Space, is thinking of developing our own satellite to meet our needs?

श्री बची सिंह रावत :माननीय सभापति जी,अभी इस दिशा में विचार नहीं हुआ है क्योंकि यह World Space Corporation की सैटेलाइट सेवा है, विश्व भर मे एकमात्र इन्हीं के द्वारा यह सेवा प्रदान की जा रही है और इनके साथ हमारा जो अनुबंध है, इसमें पहले हमें जो व्यय करना पड़ता है था,30 लाख रूपए प्रति वर्ष हम व्यय कर रहे थे और अब यह व्यय घट कर 9 लाख रूपए प्रतिवर्ष में आ गया है।

SHRI B.J. PANDA: Sir, I commend the Meteorological Department for this laudable initiative. Apart from benefit to seafarers and farmers, it has a tremendous use for the general population of the States, like Orissa, which are prone to natural calamities, like cyclone and other such things. Money is being spent inefficiently on ham radios and terrestrial radios. I would like to know from the hon. Minister whether he would agree to give such sets, like he is giving to farmers, to the school-cum-cyclone shelters at places like Orissa for meteorological warning.

श्री बची सिंह रावत :माननीय सभापति जी, अभी एक योजना शुरू की गई थी जो "यू-प्रोब" के नाम से है और उसमें देश भर के लिए दस हजार विघालयों तक अपनी पहुंच बने, ऐसा एक प्रयास शुरू हुआ है और इस संबंध में से निशुल्क रिसीवर सेट प्रोवाइड करने का विषय है, इस पर विचार किया जा सकता है।

राजस्थान में रेल परियोजनाएं

*84. **डा.प्रभा ठाकुर** :क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राजस्थान में चल रही नई रेल परियोजनाओं और किये गये सर्वेक्षणों का ब्यौरा क्या है तथा इन परियोजनाओं को पूरा करने के संबंध में अब तक कितनी प्रगति हुई है,

(ख) आवंटित निधियों का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है तथा इन परियोजनाओं पर कितनी राशि व्यय की जा चुकी है,

(ग) क्या राज सरकार ने इन परियोजनाओं को पूरा करने हेतु विशेष पैकेज के लिए केन्द्र सरकार से अनुरोध किया है, और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्री (श्री नीतीश कुमार): (क) से (घ) एक विवरण सभा पटल पर रखा दिया गया है।